

**प्राप्ति स्त्री.** (तत्.) 1. प्राप्त होने की क्रिया, अवस्था, भाव 2. अधिकार में आना, हाथ में आना, मिलना, उपलब्धि जैसे- धन की प्राप्ति 3. पहुँचना- जैसे- पत्र/संदेश की प्राप्ति 4. आगमन जैसे- युवावस्था की प्राप्ति 5. अर्जन, कमाई जैसे- अधिक धन प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा 6. गुण, ज्ञान आदि का अधिगम 7. मिलन, संगति, मेल जैसे- मित्र की प्राप्ति 8. किसी अमूर्त वस्तु को पाना जैसे- नेत्रों से सौंदर्य की प्राप्ति, जिह्वा से रस की प्राप्ति **वाणि.** लाभ, नफा, मुनाफा, फसल, पैदावार, उपज **योग.** अणिमा आदि आठ सिद्धियों में से एक (अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व तथा वशित्व **नीति.** अनुभूति **प्रशा.** (क) रसीद, पावती, प्राप्तिका (ख) कार्यवाही receipt

**प्राप्तिकर्ता वि.** (तत्.) **प्रशा.** प्राप्त करने वाला, पाने वाला।

**प्राप्ति पटल पुं.** (तत्.) **प्रशा.** पत्र, धन आदि प्राप्त कर उसकी पावती, रसीद देने का स्थान।

**प्राप्तियाँ स्त्री.** (तद्.) 1. **प्रशा.** रसीदें, पावतियाँ 2. **नीति.** अनुभूतियाँ 3. **वाणि.** लाभ, फसलें उत्पादन आदि।

**प्राप्ति वाउचर पुं.** (तत्.+अं.) **प्रशा.** रसीद, पावती वाउचर प्रमाणक, प्रमाण पत्र।

**प्राप्ति सूचना स्त्री.** (तत्.) **प्रशा.** स्वीकृति पावती, आभारोक्ति, आभारपूर्ति, प्रतिदान, प्रत्युपहार।

**प्राप्ति स्वीकृति स्त्री.** (तत्.) **प्रशा.** दे. प्राप्ति सूचना।

**प्राप्त्याशा स्त्री.** (तत्.) मिलने की उम्मीद **नाट्य.** नाटकीय कथावस्तु के विकास की तृतीय अवस्था जिसमें फल-प्राप्ति की कभी संभावना रहती है तथा कभी विफलता की आशंका भी।

**प्राप्य मूल्य पुं.** (तत्.) **लेखा.** वसूल करने योग्य कीमत।

**प्राप्य वि.** (तत्.) प्राप्त करने के योग्य **प्रशा.** 1. उपलब्ध, उपलभ्य, सुलभ 2. देय, दातव्य 3. स्वीकार्य, स्वीकार करने योग्य, वैध, वसूली, योग्य।

**प्राप्यतम ऊर्जा स्त्री.** (तत्.) ऊष्मा गति की, किसी प्रत्यावर्तनीय प्रक्रिया के दौरान कार्य विशेष में ऊर्जा के बदले प्राप्त होने वाली सर्वाधिक ऊर्जा।

**प्राप्यता स्त्री.** (तत्.) **वाणि.** उपलब्धता।

**प्राबल्य पुं.** (तत्.) 1. प्रबलता 2. प्रधानता, प्राधान्य, प्रमुखता 3. शक्ति का आधिक्य 4. अधिक्य/अधिकता, दबाव जैसे- वात प्राबल्य।

**प्राभव पुं.** (तत्.) सर्वोच्चता, प्रभुत्व, प्रभुता, सर्वोपरिता।

**प्राभृत पुं.** (तत्.) 1. भेंट, चढ़ावा, नजराना 2. जैन ग्रंथों का एक प्रकार, पाहुड़।

**प्रामाणिक वि.** (तत्.) 1. प्रत्यक्ष आदि प्रमाण से सिद्ध, प्रमाण सिद्ध 2. शास्त्रों द्वारा प्रमाणित, शास्त्र-सिद्ध 3. प्रमाण संबंधी 4. जो किसी बात का प्रमाण हो, जिसे किसी प्रमाण के रूप में माना जाए या माना जा सके, अधिकृत 6. विश्वसनीय व्यक्ति अथवा वस्तु 7. जिसकी प्रतिष्ठा अथवा साख हो **पुं.** 1. प्रमाणों को मानने वाला व्यक्ति 2. नैयायिक 3. शास्त्रज्ञ।

**प्रामाणिक ग्रंथ पुं.** (तत्.) किसी विषय का ऐसा ग्रंथ जिसे दोषरहित तथा श्रेष्ठ ग्रंथ के रूप में स्वीकार किया जाता है, अधिकृत अथवा मान्य ग्रंथ।

**प्रामाणिकता स्त्री.** (तत्.) प्रामाणिक होने का गुण अथवा भाव।

**प्रामाणिक पाठ पुं.** (तत्.) किसी ग्रंथ की विविध पांडुलिपियों के आधार पर खोजा गया मूल पाठ जो विश्वसनीय एवं अधिकृत रूप में मान्य हो।

**प्रामाणिक संस्करण पुं.** (तत्.) किसी पुस्तक का छापा गया वह रूप जिसे भाषा एवं तथ्यों की दृष्टि से उत्कृष्ट, श्रेष्ठ रूप में मान्यता प्राप्त है।

**प्रामाण्य पुं.** (तत्.) 1. प्रमाण का भाव, प्रामाणिकता, विश्वसनीयता 2. प्रमाण होना अथवा प्रमाण पर आश्रित होना 3. प्रमाण, साक्ष्य, अधिकार।